

**भारत गणराज्य सरकार  
और  
मोजांबिक गणराज्य सरकार  
के बीच  
हवाई सेवा करार**



भारत गणराज्य की सरकार तथा मोजांबिक गणराज्य की सरकार जिन्हें तत्पश्चात 'पक्ष' कहा गया है;

जो 07 दिसम्बर, 1944 को शिकागो में हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन अभिसमय से संबंधित पक्ष है;

जो अपने-अपने राज्यक्षेत्रों के बीच अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं चलाने की इच्छुक हैं;

जो स्वीकार करते हैं कि कुशल और प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं से कारोबार, उपभोक्ताओं के कल्याण और आर्थिक विकास में वृद्धि होती है;

जो एयरलाइनों के बीच प्रतिस्पर्धा पर आधारित अंतरराष्ट्रीय विमानन प्रणाली को प्रोत्साहित करने के इच्छुक हैं;

और

जो अंतरराष्ट्रीयविमान परिवहन में संरक्षा और सुरक्षा के उच्चतम स्तर को सुनिश्चित करना चाहते हैं तथा विमान की सुरक्षा के विरुद्ध धमकी या कार्रवाई के बारे में अपनी गंभीर चिंता की पुष्टि करते हैं जिससे व्यक्तियों अथवा परिसंपत्तियों की सुरक्षा प्रभावित होती हो जिसे विमान परिवहन के प्रचालन पर प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ता हो, तथा जिससे जनता के मन में नागर विमानन की संरक्षा के प्रति विश्वास में कमी आती हो;

अपने अपने राज्यक्षेत्रों के बीच और परे विमान सेवाएं स्थापित करने के उद्देश्य से एक करार पूरा करने के इच्छुक हैं;

निम्न प्रकार से सहमत हुए हैं:-



## अनुच्छेद-1

### परिभाषाएं

1. इस करार के प्रयोजनार्थ, जहां पाठ में अन्यथा अपेक्षा नहीं की गई है-
  - (i) प्रत्येकपक्ष के लिए "वैमानिकी प्राधिकारी" का आशय समय समय पर एक पक्ष दूसरे पक्ष को समय-समय पर लिखित रूप में यथा अधिसूचित प्राधिकारी या प्राधिकारियों से है;
  - (ii) 'करार' का आशय इस 'करार', इसके अनुबंध तथा इसमें किए गए किसी भी संशोधन से है;
  - (iii) 'अभिसमय' का आशय 7 दिसंबर, 1944 को शिकागो में हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन अभिसमय से है तथा इसमें वह कोई भी संशोधन शामिल है तथा उसी समय के अनुच्छेद 94 (क) के अधीन लागू किया गया है तथा जिसका अनुसमर्थन दोनों पक्षों ने कर दिया है तथा इसमें इस प्रकार के अनुबंध अथवा संशोधन दोनों पक्षों के लिए भी प्रभावी है, अभिसमय के अनुच्छेद 90 के अधीन किसी भी संशोधन को अपनाया गया है;
  - (iv) "हवाई सेवा", "अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा", "एयरलाइन" और "गैर-यातायात प्रयोजनों के लिए रुकना" का अर्थ वही होगा जो अभिसमय के अनुच्छेद 90 में इन्हें प्रदान किया गया है;
  - (v) "नामित एयरलाइन" का आशय इस करार के अनुच्छेद 3 (नामन और प्राधिकार) के अनुसार नामित और प्राधिकृत एयरलाइनों से है;
  - (vi) "टैरिफ" का आशय यात्रियों (और उनके सामान) के वहन और/अथवा कार्गो (डाक को छोड़कर) एयरलाइनों द्वारा वसूले जाने वाले विमान सेवा प्रभार के लिए कोई किराया दर अथवा विनिमय से है जिसमें उनके एजेंट भी शामिल हैं तथा वे शर्तें भी शामिल हैं जिनमें इस प्रकार के किराए दर अथवा प्रभार की उपलब्धता भी शामिल है;
  - (vii) "राज्यक्षेत्र" का आशय वही होगा जो अभिसमय के अनुच्छेद 2 में दिया गया है; और
  - (viii) "प्रयोक्ता प्रभार" का आशय हवाईअड्डे, हवाई दिक्चालन या विमानन सुरक्षा सुविधाओं या सेवाओं, जिनमें विमानों, उनके कर्मीदलों, यात्रियों, सामान और कार्गो से संबंधित सेवाएं और सुविधाएं भी शामिल हैं, के प्रावधान के लिए एयरलाइनों पर लगाए गए प्रभार से है।
2. अनुबंध वर्तमान करार का अभिन्न अंग है। करार के सभी संदर्भों में अनुबंध शामिल होगा जब तक कि स्पष्ट रूप से अन्यथा सहमति न हो।

## अनुच्छेद-2

### अधिकारों की मंजूरी

1. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष को इस करार में अनुबंध में उपयुक्त रूप से विनिर्दिष्ट मार्गों पर अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय सेवाओं की स्थापना के प्रयोजन के लिए इस करार को निर्दिष्ट अधिकार प्रदान करेगा। इस प्रकार की सेवाओं और मार्गों को एतदपश्चात क्रमशः "सहमत सेवाएं" तथा "विनिर्दिष्ट मार्ग" कहा गया है।

2. इस करार के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक संविदाकारी पक्ष द्वारा नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) को निम्नलिखित अधिकार प्राप्त होंगे:-

(क) बिना अवतरण किए इसके राज्यक्षेत्र के ऊपर उड़ान भरने का अधिकार;

(ख) गैर-यातायात प्रयोजनों के लिए इसके राज्यक्षेत्र में रुकने का अधिकार; और

(ग) विनिर्दिष्ट मार्ग पर सहमत सेवाओं का प्रचालन करते समय, प्रत्येक पक्ष द्वारा नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) को इस करार के अनुबंध में मार्गों के लिए वर्णित स्थानों पर अन्य पक्षों के राज्यक्षेत्र में डाक सहित यात्रियों तथा कार्गो में अंतरराष्ट्रीय यातायात अलग से अथवा संयुक्त रूप से उतारने तथा चढ़ाने का अधिकार होगा;

3. इस करार के अनुच्छेद 3 के अधीन नामित एयरलाइनों से अलग, प्रत्येक संविदाकारी पक्ष की एयरलाइनों एयरलाइन (एयरलाइनों) भी इस अनुच्छेद के पैराग्राफ (2) के उप पैराग्राफ (क) और (ख) में निर्दिष्ट अधिकारों का प्रयोग करने के हकदार होंगे।

4. इस अनुच्छेद के पैराग्राफ (2) की किसी भी बात का अर्थ यह नहीं माना जाएगा कि एक संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) द्वारा अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में डाक सहित यात्रियों, कार्गो में विमान पर लेने का विशेष अधिकार मिल गया है जिसे उस अन्य पक्ष के राज्य क्षेत्र में किसी और स्थान के लिए भेजा जा रहा है।

5. यदि विशिष्ट और असामान्य परिस्थितियों के कारण एक संविदाकारीपक्ष की नामित एयरलाइन अपने सामान्य मार्ग पर सेवा प्रचालित नहीं कर पाती तो दूसरा संविदाकारी पक्ष,संविदाकारीपक्षों द्वारा पारस्परिक रूप से नियत मार्गों के समुचित अस्थायी प्रबंध के जरिए ऐसी सेवाओं का सतत प्रचालन सुगम बनाने के लिए यथासंभव प्रयास करेगा।

6. एक पक्ष की नामित एयरलाइनों को,अन्य संविदाकारी पक्ष द्वारा गैर-पक्षपातपूर्ण आधार पर मुहैया कराए गए हवाई मार्गों, हवाईअड्डों और अन्य सुविधाओं का उपयोग करने का अधिकार होगा।

### अनुच्छेद-3

#### एयरलाइनों का नामन और प्राधिकार

1. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष को विनिर्दिष्ट मार्गों पर सहमत सेवाएं प्रचालित करने के उद्देश्य से एक या अधिक एयरलाइनों को नामित करने और ऐसे नामनों को वापस लेने या परिवर्तित करनेका अधिकार होगा। ऐसा पदाभिधान नामन लिखित रूप में किया जाएगा होगा और उसे राजनयिक चैनलों के माध्यम से संविदाकारी पक्ष को पारेषित किया जाएगा और इसमें यह पहचान की जाएगी कि क्या एयरलाइन अनुबंध में विनिर्दिष्ट विमान सेवाओं के प्रकार को संचालित करने के लिए प्राधिकृत है।
2. प्रचालन प्राधिकार तथा तकनीकी अनुमति के लिए निर्धारित फार्म तथा तरीके से नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) से इस प्रकार का नामन तथा आवेदन प्राप्त होने पर, अन्य संविदाकारी पक्ष न्यूनतम देरी किए बिना उपयुक्त प्राधिकार तथा अनुमति की स्वीकृति देगी बशर्त:-
  - (क) उस एयरलाइन का वास्तविक स्वामित्व तथा प्रभावी नियंत्रण उस एयरलाइन को नामित करने वाले संविदाकारी पक्ष या इसके राष्ट्रों में विहित हो;
  - (ख) नामित एयरलाइन, आवेदन पर विचार करने वाले पक्ष द्वारा अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं के प्रचालन के सामान्यतया लागू कानूनों और विनियमों के अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिए अर्हता प्राप्त है; और
  - (ग) एयरलाइन को नामित करने वाला संविदाकारी पक्ष अनुच्छेद 9 (संरक्षा) तथा अनुच्छेद 10 (विमानन संरक्षा) में निर्धारित मानकों का रख-रखाव तथा प्रशासन कर रहा हो।

#### अनुच्छेद-4

##### प्रचालनिक प्राधिकार का प्रतिसंहरण या निलंबन

1. दोनों में से कोई भी संविदाकारी पक्ष, अन्य संविदाकारी पक्ष द्वारा नामित एयरलाइन को प्रदान किए गए प्रचालनिक प्राधिकार को प्रतिसंहरित या निलंबित कर सकता है अथवा ऐसे किसी भी मामले में ऐसी शर्तें लगा सकता है, जैसी वह उपयुक्त समझे, जहां:

- (क) उस एयरलाइन का वास्तविक स्वामित्व तथा प्रभावी नियंत्रण अन्य संविदाकारी पक्ष या इसके राष्ट्रिकों में विहित नहीं है;
- (ख) वह एयरलाइन इस करार के अनुच्छेद 6 (कानूनों की प्रयोज्यता) में संदर्भित कानूनों और विनियमों का पालन करने में विफल रहती है;
- (ग) अन्य संविदाकारी पक्ष इस करार के अनुच्छेद 9 (संरक्षा) में निर्धारित मानकों का रखरखाव और प्रशासन नहीं कर रहा है।

2. जब तक इस अनुच्छेद के पैरा (1) के उपबंध (ख) अथवा (ग) के साथ और आगे अतिलंघन को और आगे रोकने के लिए तात्कालिक कार्रवाई करना अनिवार्य न हो इस अनुच्छेद द्वारा स्थापित अधिकारों का निर्वाह अन्य संविदाकारी पक्ष के साथ विचार विमर्श के बाद ही किया जा सकेगा।

3. यह अनुच्छेद इस करार के अनुच्छेद 10 (विमानन संरक्षा) के प्रावधानों के अनुसार अन्य संविदाकारी पक्ष की एयरलाइन अथवा एयरलाइनों के प्रचालन प्राधिकार अथवा तकनीकी अनुमति पर रोक, प्रतिसंहरण सीमा या शर्तें लगाने के अधिकार को सीमित नहीं करता।



## अनुच्छेद- 5

### सहमत सेवाओं के प्रचालन को शासित करने वाले सिद्धांत

1. दोनों पक्षों की नामित एयरलाइनों के लिए अपने-अपने राज्य-क्षेत्रों के बीच विनिर्दिष्ट मार्गों पर सहमत सेवाएं प्रचालित करने का निष्पक्ष तथा समान अवसर होगा।
2. प्रत्येक पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) द्वारा प्रचालित की जाने वाली सेवाओं की आवृत्ति और मुहैया कराई जाने वाली क्षमता पर दोनों पक्षों के वैमानिक प्राधिकारियों द्वारा सहमति दी जाएगी।
3. प्रत्येक पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) द्वारा प्रचालित की जाने वाली सेवाओं की आवृत्ति और मुहैया कराई जाने वाली क्षमता में कोई भी वृद्धि दोनों पक्षों के वैमानिक प्राधिकारियों के बीच करार के अधीन होगी। ऐसे करार या समाधान के लंबित रहते, पहले से लागू क्षमता और आवृत्ति संबंधी पात्रताएं लागू रहेंगी।
4. पूर्ववर्ती पैराओं के बावजूद, प्रत्येक पक्ष की नामित एयरलाइनें पूर्ण तृतीय, चतुर्थ और पंचम अधिकारों के साथ किसी भी श्रेणी के विमानों के साथ एक दूसरे के राज्य क्षेत्र के बीच कितनी भी संख्या ऑल-कार्गो सेवाएं प्रचालित करने की हकदार होंगी, जिसका इस करार के साथ संलग्न मार्ग अनुसूची में विनिर्दिष्ट बिंदुओं से कोई संबंध नहीं है। ऐसी ऑल-कार्गो सेवाएं तीसरे देश की एयरलाइनों सहित किसी भी अन्य एयरलाइन (एयरलाइनों) के साथ कोड शेयरिंग, ब्लॉकड स्पेस आदि जैसी सहकारी विपणन व्यवस्थाओं के अधीन भी प्रचालित की जा सकती हैं।



## अनुच्छेद 6

### कानूनों की प्रयोज्यता

1. एक संविदाकारी पक्ष के भू-भाग में प्रवेश करते समय अथवा वहां से प्रस्थान करते समय, दूसरे संविदाकारी पक्ष की एयरलाइनों द्वारा विमान के प्रचालन तथा दिक्चालन से संबंधित इसके कानून, विनियम तथा नियमों का अनुपालन किया जाएगा।
2. एक पक्ष के राज्यक्षेत्र में प्रवेश, इसके भीतर रहते और प्रस्थान करते समय, इसके राज्य क्षेत्र से यात्रियों, कर्मिंदल अथवा विमान में कार्गो (प्रवेश, क्लीयरेंस, विमान सुरक्षा, आब्रजन, पासपोर्ट, सीमा शुल्क और संगरोध अथवा डाक के संबंध में डाक विनियम सहित) प्रवेश करने वाले अथवा प्रस्थान करने वाले से संबंधित इसके कानून और विनियमों का अनुपालन दूसरे पक्ष की एयरलाइनों के ऐसे यात्रियों, कर्मिंदल अथवा कार्गो द्वारा उनकी ओर से तदनुरूप अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
3. दोनों में से कोई भी संविदाकारी पक्ष आब्रजन, संगरोध तथा इसी प्रकार के विनियमों को लागू करने में इसी प्रकार की अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं के प्रचालन में लगी हुई अन्य संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन किसी अन्य एयरलाइंस अथवा अपनी स्वयं की एयरलाइंस को कोई प्राथमिकता प्रदान नहीं करेगा।
4. किसी भी संविदाकारी पक्ष के सम्पूर्ण राज्यक्षेत्र में प्रत्यक्ष ट्रांजिट में आने वाले ओर ऐसे प्रयोजनों के लिए आरक्षित हवाईअड्डे के क्षेत्रों को न छोड़ने वाले यात्री, बैगेज और कार्गो - हिंसा, हवाई पायरेसी, नारकोटिक्स आदि के विरुद्ध सुरक्षोपायों से संबंधित यात्रियों, बैगेज और कार्गो को छोड़कर - अधिकतम एक सामान्यकृत नियंत्रण के अध्याधीन होंगे।



## अनुच्छेद- 7

### प्रयोक्ता प्रभार

1. प्रत्येक पक्ष के सक्षम प्रभारी प्राधिकारियों द्वारा अन्य पक्ष की नामित एयरलाइन(एयरलाइनों) पर लगाए जा सकने वाले प्रयोक्ता प्रभार औचित्यपूर्ण, न्यायपूर्ण होंगे, अन्यायपूर्ण रूप से पक्षपातपूर्ण नहीं होंगे, और प्रयोक्ताओं की श्रेणियों के बीच समान रूप से अनुभाजित होंगे। किसी भी स्थिति में, ऐसे प्रयोक्ता प्रभारों का अन्य पक्ष की एयरलाइनों पर अभिकलन ऐसी शर्तों पर नहीं किया जाएगा जो प्रभारों को अभिकलित किए जाते समय अन्य किसी एयरलाइन को उपलब्ध सर्वाधिक अनुकूल शर्तों से कम अनुकूल हों।

2. अन्य पक्ष की एयरलाइनों पर लगाए गए प्रयोक्ता प्रभारों में उपयुक्त हवाई अड्डा प्रदान करने वाले निकायों अथवा सक्षम प्रभारी प्राधिकारियों, हवाई अड्डा पर्यावरण, हवाई दिक्कालन तथा विमानन सुरक्षा सुविधाओं तथा हवाई अड्डे पर अथवा हवाई अड्डा व्यवस्था के भीतर सेवाओं की पूर्ण लागत परिलक्षित होंगी, किन्तु ये इनसे अधिक नहीं होंगे। इस पूर्ण लागत में अवमूल्यन पश्चात् परिसम्पत्तियों पर औचित्यपूर्ण रिटर्न शामिल हो सकती है। जिन सुविधाओं तथा सेवाओं के लिए प्रभार लिए जाते हैं, उन्हें एक कार्यकुशल तथा मितव्ययी आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा।

3. प्रत्येक संविदाकारीपक्ष अपने राज्य क्षेत्र में सक्षम प्रभारी प्राधिकारियों अथवा निकायों तथा सेवाओं व सुविधाओं का उपयोग कर रही एयरलाइनों के बीच विचार विमर्श को प्रोत्साहित करेगा और सक्षम प्रभारी प्राधिकारियों अथवा निकायों तथा एयरलाइनों को पैरा (1) तथा (2) के सिद्धांतों के अनुरूप प्रभारों के औचित्य की सही-सही समीक्षा की अनुमति के लिए आवश्यक ऐसी सूचना के विनिमय के लिए प्रोत्साहित करेगा। प्रत्येक संविदाकारीपक्ष सक्षम प्रभारी प्राधिकारियों को प्रोत्साहित करेगा कि वे प्रयोजनाओं को प्रयोक्ता प्रभारों में परिवर्तनों के किसी प्रस्ताव के औचित्यपूर्ण नोटिस प्रदान करें जिससे कि प्रयोक्ता परिवर्तनों के कार्यान्वित होने से पहले अपने मत व्यक्त कर सकें।

4. कोई भी संविदाकारीपक्ष, अनुच्छेद 21 (विवादों का निपटान) के अनुसरण में विवाद निपटान प्रक्रियाओं में, इस अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं करेगा, यदि:

- (i) इसने उस प्रभार या परिपाटी की समीक्षा की है जो दूसरे संविदाकारी पक्ष द्वारा एक औचित्यपूर्ण समय के भीतर शिकायत किए जाने के अध्यक्षीन है; और
- (ii) ऐसी समीक्षा के अनुसरण में, इसने अपनी शक्तियों के भीतर इस अनुच्छेद के प्रतिकूल किसी भी प्रभार अथवा परिपाटी का उपचार करने के सारे कदम उठाए हों।



## अनुच्छेद- 8

### सीमा शुल्क तथा प्रभार

1. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष को, पारस्परिकता के आधार पर, दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइनों को नियमित विमान उपस्कर, ईंधन, स्नेहकों, उपभोज्य तकनीकी आपूर्तियों, स्पेयर पार्ट, जिनमें इंजन शामिल है, तथा विमान भंडार (जिसमें भोजन, पेय तथा शराब, तम्बाकू जैसी मर्दें और अन्य उत्पाद शामिल हैं, जो केवल विमान के प्रचालन या सर्विसिंग के संबंध में बिक्री या प्रयुक्त किए जाने के लिए अभिप्रेत हैं, किन्तु इन तक सीमित नहीं है,) और अन्य मर्दों, जैसे मुद्रित टिकट स्टॉक, एयर वे बिल, स्टाफ यूनीफॉर्म और अन्य कोई मुद्रित सामग्री जिस पर कंपनी का निशान हो और नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) द्वारा निःशुल्क वितरित की जाने वाली सामान्य प्रकाशन सामग्री पर अन्य पक्ष द्वारा पारस्परिकता के आधार पर अपने कानूनों के अंतर्गत कस्टम शुल्कों, आककारी करों, निरीक्षण शुल्कों तथा ऐसे ही शुल्कों तथा प्रभारों, से पूर्व संभव सीमा तक छूट प्रदान की जाएगी।

2. इस अनुच्छेद के अधीन छूटें केवल तभी प्रदान की जाएंगी यदि पैरा (1) में संदर्भित मर्दें:

- (क) एक संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में अन्य संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) द्वारा या इनकी ओर से लाई गई हों;
- (ख) एक संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) के विमान में अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में पहुँचने और राज्यक्षेत्र को छोड़ने तक रखी गई हों; या
- (ग) एक संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) के विमान में अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में सहमत सेवाएं प्रचालित करने में इस्तेमाल के लिए रखी गई हों।

3. इस अनुच्छेद के अधीन छूटों का इस तथ्य से कोई संबंध नहीं होगा कि ऐसी मर्दें छूट प्रदान किए जाने वाले संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र के भीतर प्रयुक्त की गई हों या इनका पूरी तरह उपभोग किया गया हो, बशर्ते ऐसी मर्दों का स्वामित्व उक्त संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में स्थानांतरित न किया गया हो।

4. किसी भी संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) के विमानों में सामान्यतः नियमित उड़ानगत उपस्कर के साथ साथ सामग्री, भंडार सामग्री और आपूर्तियां, अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में उस संविदाकारी पक्ष के सीमाशुल्क प्राधिकारियों के अनुमोदन से ही उतारी जा सकती हैं। ऐसी स्थिति में ऐसी मर्दों को उतारने समय तक उक्त प्राधिकारियों के पर्यवेक्षण में रखा जाना अपेक्षित हो जितने समय में उन्हें सीमाशुल्क विनियमों के अनुसार पुनः निर्यात किया गया हो या अन्यथा निपटान किया गया हो।

## अनुच्छेद 9

### संरक्षा

1. दोनों में से कोई भी संविदाकारी पक्ष वैमानिकी सुविधाओं, विमान कर्मी, विमान और नामित एयरलाइन के प्रचालन से संबंधित अन्य संविदाकारीपक्ष द्वारा नामित एयरलाइन के संबंध में अनुरक्षित संरक्षा मानकों से संबंधित परामर्श करने का अनुरोध कर सकता है। ऐसे परामर्श अनुरोध किए जाने के 30 दिन या पक्षों के बीच सहमत किसी और अधिक अवधि के भीतर किए जाएंगे।
2. यदि परामर्श के बाद एकसंविदाकारीपक्ष को यह पता चलता है कि इस अनुच्छेद के पैराग्राफ (1) में वर्णित क्षेत्रों में संरक्षा मानकों, जिन्हें अभिसमय के अनुसार संरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, को अन्य संविदाकारी पक्ष द्वारा नामित एयरलाइनों के संबंध में प्रभावी रूप से अनुरक्षित और प्रशासन नहीं किया जा रहा है तो अन्य संविदाकारी पक्ष इस प्रकार के निष्कर्ष तथा इन न्यूनतम मानकों के अनुरूप आवश्यक समझे जाने वाले कदमों को अधिसूचित कर सकेगा, तथा अन्य संविदाकारीपक्ष द्वारा उपयुक्त निवारक कार्रवाई की जाएगी।
3. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष के पास अन्य संविदाकारी पक्ष द्वारा नामित एयरलाइन अथवा एयरलाइनों के प्रचालन प्राधिकार अथवा तकनीकी अनुमति के निलंबन अथवा सीमित करने का अधिकार आरक्षित होगा यदि अन्य संविदाकारी पक्षद्वारा 30 दिनों के भीतर उपयुक्त निवारक कार्रवाई नहीं की जाती है।
4. इस पर सहमति प्रदान की जाती है कि एक संविदाकारी पक्ष की किसी एयरलाइन द्वारा अन्य पक्ष के राज्यक्षेत्र के लिए या से सेवाओं पर प्रचालित कोई भी विमान, अन्य संविदाकारी पक्ष के प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा जांच के अध्यधीन होगा, ताकि विमान और कर्मीदल दोनों के दस्तावेजों और विमान की प्रत्यक्ष स्थिति और इसके उपस्कर के वैधता की जांच (इस अनुच्छेद में "रैंप निरीक्षण") की जा सके, बशर्ते इसके परिणामस्वरूप कोई अनुचित विलंब न हो।
5. यदि रैंप निरीक्षण या निरीक्षणों की श्रृंखला निम्न को उत्पन्न करती हो:
  - ऐसी गंभीर चिंताएं कि कोई विमान या विमान का प्रचालन अभिसमय के अनुसरण में उस समय स्थापित न्यूनतम मानदंडों का अनुपालन नहीं कर रहा है; या
  - ऐसी गंभीर चिंताएं कि अभिसमय के अनुसरण में उस समय स्थापित न्यूनतम संरक्षा मानदंडों के प्रभावी अनुरक्षण और प्रशासन की कमी है;

 11

तो निरीक्षण करने वाला संविदाकारी पक्ष, अभिसमय के अनुच्छेद 33 के उद्देश्य से, यह निष्कर्ष निकालने के लिए स्वतंत्र होगा कि जिन अपेक्षाओं के अधीन उस विमान के संबंध में या उस विमान के कर्मियों के संबंध में प्रमाणपत्र या लाइसेंस जारी किया गया है या वैध ठहराया गया है या जिन अपेक्षाओं के अधीन वह विमान प्रचालित हो रहा है, वे अभिसमय के अनुसरण में उस समय स्थापित न्यूनतम मानदंडों के समान या इनसे अधिक नहीं हैं।

6. इस अनुच्छेद के पैरा (4) के अनुसार एक पक्ष की किसी एयरलाइन द्वारा प्रचालित किसी विमान का रैंप निरीक्षण करने के उद्देश्य प्रवेश से उस विमान के प्रतिनिधि द्वारा मना किए जाने की स्थिति में, अन्य पक्ष इस अनुच्छेद के पैरा (5) में संदर्भित प्रकार की गंभीर चिंताओं का उत्पन्न होने का आशय निकालने के लिए और उस पैरा में संदर्भित निष्कर्ष निकालने के लिए स्वतंत्र होगा।

7. रैंप निरीक्षण, निरीक्षणों की श्रृंखला के परिणामस्वरूप या रैंप निरीक्षण से मना करने की स्थिति में, प्रत्येक संविदाकारी पक्ष के पास अन्य संविदाकारी पक्ष की किसी एयरलाइन या एयरलाइनों के प्रचालनिक प्राधिकार को निलंबित करने या परिवर्तित करने और यह निष्कर्ष निकालने का अधिकार आरक्षित होगा कि एयरलाइन प्रचालन की संरक्षा के लिए तुरंत कार्रवाई करना अनिवार्य है।

8. एक बार इस अनुच्छेद के पैरा (3) से (7) के अनुसार कार्रवाई करने का आधार समाप्त हो जाने के बाद, एक संविदाकारी पक्ष द्वारा की जा रही कोई भी कार्रवाई बंद कर दी जाएगी।



## अनुच्छेद-10

### विमानन सुरक्षा

1. अंतरराष्ट्रीय कानून के अंतर्गत अपने अधिकारों तथा दायित्वों के अनुरूप दोनों संविदाकारी पक्ष पुनः इस बात की पुष्टि करते हैं कि गैर-कानूनी हस्तक्षेप के कृत्यों के विरुद्ध नागर विमानन सुरक्षा का बचावकरने के बारे में एक दूसरे के प्रति उनका दायित्व, इस करार का अभिन्न अंग है। अंतरराष्ट्रीय कानून के अंतर्गत अपने-अपने अधिकारों तथा दायित्वों की व्यापकता को कम किये बिना, दोनों संविदाकारी पक्ष विशेष रूप से, 14 सितम्बर, 1963 को टोक्यों में हस्ताक्षरित वायुयान में किये गये अपराधों एवं कतिपय अन्य कृत्यों से संबंधित अभिसमय, 16 दिसम्बर, 1970 को हेग में हस्ताक्षरित वायुयान के विधि विरुद्ध अभिग्रहण के दमन संबंधी अभिसमय, 23 सितम्बर, 1971 को मॉट्रियल में हस्ताक्षरित सिविल विमानन सुरक्षा संबंधी विधि-विरुद्ध कार्य दमन अभिसमय, 24 फरवरी, 1988 को मॉट्रियल में हस्ताक्षरित सिविल विमान सेवारत विमानपत्तनों पर हिंसा वाले विधि विरुद्ध कृत्यों के दमन हेतु अनुपूरक प्रोटोकॉल के साथ-साथ नागर विमानन की सुरक्षा से संबंधित ऐसी किसी भी अन्य अभिसमय तथा प्रोटोकॉल, जिसका पालन दोनों संविदाकारी पक्ष करते हों, के अनुरूप कार्रवाई करेंगे।
2. अनुरोध किये जाने पर दोनों संविदाकारी पक्ष गैरकानूनी रूप से सिविल विमानों के अभिग्रहण किये जाने और ऐसे विमान, उसके यात्रियों, कर्मिकों, हवाईअड्डों और हवाई दिक्चालन सुविधाओं की सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्योंसे बचाव के लिए अथवा नागर विमानन की सुरक्षा के विरुद्ध किसी अन्य खतरे के लिए एक दूसरे को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।
3. दोनों संविदाकारी पक्ष अपने परस्पर संबंधों में, अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (इकाओ) द्वारा स्थापित और अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन अभिसमय के अनुबंधों के रूप में नामित नागत विमानन सुरक्षा उपबंधों के अनुरूप उस सीमा तक कार्य करेंगे जहां तक वे इन संविदाकारी पक्षों पर लागू होते हैं। वे अपने पंजीकृत विमान प्रचालकों या ऐसे विमान प्रचालकों जिनके व्यवसाय का प्रमुख स्थान अथवा स्थाई निवास उनके राज्य क्षेत्र में है तथा उसके क्षेत्र में हवाईअड्डों के प्रचालकों से यह अपेक्षा करेंगे कि वह इन विमानन सुरक्षा उपबंधों के अनुरूप कार्य करेंगे।
4. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष के राज्य क्षेत्र में प्रवेश करते समय अपेक्षित सुरक्षा प्रावधानों का पालन करने और विमान की सुरक्षा करने तथा यात्रियों, कर्मिंदल, ले जाई जाने वाली वस्तुओं, सामान, कार्गो तथा विमान भंडार विमान में लादने से पहले या उसके दौरान, उसकी जांच करने के लिए प्रभावी उपाय करने पर सहमत है। प्रत्येक पक्ष किसी विशेष खतरे का मुकाबला करने हेतु विशेष उपयुक्त सुरक्षा उपाय करने के लिए एक दूसरे पक्ष द्वारा किये गये अनुरोधों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार भी करेगा।



5. जब किसी सिविल विमान के गैरकानूनी अभिग्रहण का खतरा या इस प्रकार के खतरे की घटना घटती है या किसी ऐसे विमान, उसके यात्रियों और कर्मिकों, हवाईअड्डों और हवाई दिक्कालन सुविधाओं की सुरक्षा के विरुद्ध कोई गैरकानूनी कार्य किया जाता है तो संविदाकारी पक्ष, इस प्रकार की घटनाओं अथवा उनके खतरेको तुरंत समाप्त करने के लिए संचार सुविधाएं प्रदान करके तथा अन्य उपयुक्त उपाय करके एक दूसरे की सहायता करेंगे।

6. जब एक संविदाकारी पक्ष के पास यह विश्वास करने के औचित्यपूर्ण आधार हो कि दूसरा संविदाकारी पक्ष इस अनुच्छेद के विमानन सुरक्षा संबंधी प्रावधानों से विमुख हो गया है, तो उस संविदाकारी पक्ष के वैमानिकी प्राधिकारी दूसरे संविदाकारी पक्ष के वैमानिकी प्राधिकारियों के साथ तुरंत परामर्श का अनुरोध कर सकते हैं। इस अनुरोध की तिथि से 15 दिनों के भीतर किसी संतोषजनक समझौते पर पहुंचने में विफल रहने पर उस संविदाकारी पक्ष की एयरलाइन अथवा एयरलाइनों के प्रचालनिक प्राधिकरण तथा तकनीकी अनुमति वापस लिए जाने, समाप्त किए जाने, सीमित किए जाने अथवा उन पर शर्तें लगाने का आधार बन जाएंगे। किसी आपात स्थिति में आवश्यकता होने पर एक संविदाकारी पक्ष 15 दिनों के समाप्त होने से पहले अन्तरिम कार्रवाई कर सकता है।

7. पैरा (6) के अनुसार की गई कोई भी कार्रवाई अन्य संविदाकारी पक्ष द्वारा इस अनुच्छेद के अनुपालन के बाद बंद कर दी जाएगी।



## अनुच्छेद 11

### वाणिज्यिक अवसर

1. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष की एयरलाइन (एयरलाइनों) को हवाई सेवाओं, और हवाई सेवाओं के प्रावधान के लिए अपेक्षित अन्य सहायक उत्पादों और सुविधाओं के संवर्धन और बिक्री के लिए, अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्य क्षेत्र में कार्यालय स्थापित करने का अधिकार होगा।
2. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष की एयरलाइन (एयरलाइनें), प्रवेश, आवास और रोजगार के संबंध में अन्य पक्ष के कानूनों और विनियमों के अनुसार, अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं और अन्य अनुषंगी उत्पादों और सुविधाओं के प्रावधान के लिए अपेक्षित प्रबंधकीय, बिक्री, तकनीकी, प्रचालनिक और अन्य विशेषज्ञ स्टाफ को लाने और अनुरक्षित करने की हकदार होंगी। ऐसी स्टाफ संबंधी आवश्यकताओंको, एयरलाइन के विकल्प पर, किसी भी राष्ट्रीयता वाले अपने स्वयं के कार्मिकों द्वारा, या दूसरे संविदाकारी पक्ष राज्यक्षेत्र में प्रचालन करने वाली किसी अन्य एयरलाइन, संगठन या कंपनी की सेवाओं का उपयोग करके, पूरा किया जा सकता है और इन्हें उस अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में ये सेवाएं निष्पादित करने के लिए प्राधिकृत किया जा सकता है।
3. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष की कोई भी एयरलाइन अन्यसंविदाकारीपक्ष के राज्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं और अन्य अनुषंगी उत्पादों, सेवाओं और सुविधाओं की सीधी, या एयरलाइन के विवेकाधिकार पर, अपने एजेंटों के माध्यम से, बिक्री में संलिप्त हो सकती है। इस प्रयोजनार्थ, एयरलाइन को अपने पारवहन दस्तावेजों संबंधी दस्तावेजों का इस्तेमाल करने का अधिकार होगा और कोई भी व्यक्ति उस राज्यक्षेत्र की मुद्रा में या स्वतंत्र रूप से परिवर्तनीय मुद्राओं में ऐसे पारवहन और इसके अनुषंगी उत्पादों, सेवाओं और सुविधाओं को क्रय करने के लिए स्वतंत्र होगा।
4. इस अनुच्छेद में विहित किसी भी बाद के बावजूद, इस अनुच्छेद के अधीन अधिकारों को प्रयोग इस करार के उद्देश्यों के अनुरूप प्रयोज्य घरेलू नियमों और विनियमों के अनुसार किया जाएगा। यदि एकसंविदाकारीपक्ष अन्य संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइनों द्वारा स्थानीय रूप से संवितरित धनराशियों से अधिक स्थानीय राजस्वों के हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगाता है, तो दूसरे संविदाकारी पक्ष को प्रथम संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइनों पर व्युत्क्रमिक प्रतिबंध लगाने का अधिकार होगा।



## अनुच्छेद 12

### निधियों का रूपांतरण और हस्तांतरण

1. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) को, प्रत्येक संविदाकारी पक्ष के राज्य-क्षेत्र में, लागू वित्तीय और विनिमय नियंत्रण विनियमों के अनुसार, ऐसी आय पर अर्जित सामान्य वाणिज्यिक ब्याज सहित विनिर्दिष्ट मार्गों पर सहमत सेवाओं के संबंध में अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्यक्षेत्र में ऐसी एयरलाइन द्वारा अर्जित व्यय से अधिक अतिरिक्त प्राप्तियों को, अपने मुख्यालय में जमा कराने का अधिकार होगा।

## अनुच्छेद - 13

### सहकारी विपणन व्यवस्थाएं

1. प्रत्येक पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनें) निम्नलिखित के साथ सहकारी विपणन व्यवस्थाएं जैसे कोड शेयर, ब्लॉक स्पेस अथवा कोई अन्य वाणिज्यिक करार कर सकती है :

- (क) उसीसंविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनें); अथवा
- (ख) अन्य संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनें); अथवा
- (ग) तृतीय पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनें)।

2. सहकारी विपणन व्यवस्थाओं में शामिल प्रचालनिक एयरलाइन (एयरलाइनों) के पास अंतर्निहित यातायात अधिकार रहेंगे जिनमें मार्ग अधिकार और क्षमता पात्रताएं शामिल हैं, और ये ऐसे करारों पर सामान्यतः लागू अपेक्षाओं को पूरा करेंगी।

3. सहकारी सेवा विपणन व्यवस्थाओं में शामिल सभी विपणन एयरलाइन (एयरलाइनों) के पास अंतर्निहित मार्ग अधिकार रहेंगे और वे ऐसी व्यवस्थाओं पर सामान्यतः लागू अपेक्षाओं को पूरा करेंगी (करेंगी)।

4. ऐसी व्यवस्थाओं के तहत निष्पादित हवाई सेवाओं द्वारा प्रचालित कुल क्षमता की गणना केवल प्रचालनकर्ता एयरलाइन (एयरलाइनों) को नामित करने वाले संविदाकारी पक्ष की क्षमता पात्रता की तुलना में की जाएगी। ऐसी सेवाओं पर विपणन एयरलाइन (एयरलाइनों) द्वारा ऑफर की जाने वाली क्षमता की गणना उस एयरलाइन को नामित करने वाले संविदाकारी पक्ष की क्षमता पात्रता की तुलना में नहीं की जाएगी।



5. प्रत्येक पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) को, विमानों की संख्या, आकार और प्रकार के लिहाज से बिना किसी प्रतिबंध के, कोड-शेयर प्रचालनों में शामिल विमानों के बीच यातायात को अंतरित (अर्थात् स्टारबर्स्ट) की अनुमति होगी।

6. प्रचालनकर्ता एयरलाइन (एयरलाइनों) के अतिरिक्त, प्रत्येक पक्ष के वैमानिक प्राधिकारीविपणन एयरलाइन (एयरलाइनों) से अनुमोदन के लिए अनुसूचियां फाइल करने तथा सहकारी विपणन करारों के तहत हवाई सेवाओं को आरंभ करने से पहले कोई भी दस्तावेज उपलब्ध कराने की अपेक्षा रख सकते हैं।

7. ऐसे करारों के तहत बिक्री के लिए सेवाओं को होल्ड आउट करते समय, संबंधित एयरलाइन अथवा उसका एजेंट बिक्री के समय खरीदार के समक्ष यह स्पष्ट करेगा कि सेवा के प्रत्येक सेक्टर पर कौन सी एयरलाइन प्रचालनकर्ता एयरलाइन होगी तथा खरीदार कौन सी एयरलाइन (एयरलाइनों) के साथ करारगत समझौता कर रहा है।

8. कोड शेयरिंग सेवाएं मुहैया कराने से पहले, कोड शेयरिंग भागीदार इस बात पर सहमत होंगे कि कौन सा पक्ष देनदारी और उपभोक्ता संबंधी मामलों, सुरक्षा, संरक्षा और सरलीकरण के संबंध में उत्तरदायी होगा। इन शर्तों को निर्धारित करने वाला करार कोड शेयर करारों के कार्यान्वयन से पहले दोनों संविदाकारी पक्षों के वैमानिकी प्राधिकारियों के समक्ष फाइल किया जाएगा।

#### अनुच्छेद 14

##### इंटरमोडल सेवाएं

1. प्रत्येक संविदाकारीपक्ष की अभिहित एयरलाइन (एयरलाइनों) को, यात्रियों तथा कार्गो के हवाई परिवहन के संबंध में, अन्य संविदाकारी पक्ष की प्रादेशिक सीमा में, किसी स्थल के लिए या से कोई इंटरमोडल परिवहन चलाने की अनुमति होगी। ऐसी एयरलाइन (एयरलाइनें) अपने स्वयं के इंटरमोडल परिवहन चलाने या अन्य वाहकों के साथ कोड शेयर सहित अन्य प्रबंधों के माध्यम से इसे उपलब्ध कराने के विकल्प का चयन कर सकती हैं। इंटरमोडल सेवाएं संयुक्त हवाई और इंटरमोडल परिवहन के लिए सीधी सेवा के रूप में और एकल मूल्य पर प्रदान की जा सकेगी, परंतु यह तब जबकि यात्रियों और पोत स्वामियों के साथ-साथ ऐसे परिवहन के सेवा प्रदाताओं को सूचित कर दिया गया हो।

## अनुच्छेद 15

### अनुसूचियों का अनुमोदन

1. प्रत्येक संविदाकारीपक्ष के वैमानिकी प्राधिकारी अन्य संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) से अपेक्षा कर सकते हैं कि वे सहमत सेवाएं आरंभ करने के कम से कम 30 दिन पहले, उड़ान अनुसूचियों, जिनमें सेवा की श्रेणी और इसकी आवृत्ति, प्रयुक्त किए जाने वाले विमानों की श्रेणी तथा प्रत्येक स्थान पर उड़ान के समय से संबंधित सूचना शामिल हो, उन्हें विचार तथा अनुमोदन के लिए फाइल करे। इसी प्रकार की सूचना प्रत्येक आयटा (अंतरराष्ट्रीय विमान परिवहन संघ) यातायात सीजन से कम से कम 30 दिन पहले भी और जब कभी भी सहमत सेवाओं के प्रचालन के संबंध में कोई परिवर्तन किया जाना हो, तब भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
2. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) अन्य संविदाकारी पक्ष के वैमानिकी प्राधिकारियों को संतुष्ट करने के लिए कोई अन्य सूचना भी प्रस्तुत करेंगे कि इस करार की सभी अपेक्षाएं विधिवत रूप से पूर्ण की जा रही हैं।

## अनुच्छेद 16

### आंकड़ों का प्रावधान

1. प्रत्येक संविदाकारीपक्ष के वैमानिकी प्राधिकारी दूसरे संविदाकारीपक्ष के वैमानिकी प्राधिकारियों को उस दूसरे पक्ष के राज्य क्षेत्र में आने वाली और वहां से जाने वाली सहमत सेवाओं पर प्रत्येक माह के दौरान वाहित यातायात से संबंधित आंकड़े भेजेंगे अथवा अपनी नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) को भिजवाएंगे जिनमें इस प्रकार के यातायात के चढ़ने और उतरने के स्थलों का उल्लेख किया गया हो। इस प्रकार के आंकड़े प्रत्येक मास की समाप्ति के बाद यथासंभव शीघ्र दिये जाएंगे किन्तु यह अवधि उस माह के बाद 30 दिन से अधिक की नहीं होगी जिससे ये संबंधित हैं।
2. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों), अनुरोध किए जाने पर, अन्य संविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारियों को, उस अन्य संविदाकारी पक्ष के राज्य-क्षेत्र के लिए और से वहन किए जाने वाले यातायात के मूल प्रारंभिक स्थान और गंतव्य से संबंधित आंकड़े मुहैया कराएंगे, या अपनी नामित एयरलाइनों से मुहैया करवाएंगे।

## अनुच्छेद 17

### टैरिफ

1. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष की नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) द्वारा प्रचालित सहमत सेवाओं के संबंध में टैरिफ का निर्धारण प्रचालन की लागत और युक्तिसंगत लाभ सहित सभी संगत कारकों को महत्व देते हुए युक्तिसंगत स्तरों पर बाजार स्थल में अपने वाणिज्यिक लाभों के आधार पर प्रत्येक नामित एयरलाइन द्वारा किया जाएगा।
2. पैरा (1) के अंतर्गत निर्धारित टैरिफों को अन्य संविदाकारीपक्ष के वैमानिक प्राधिकरणों के साथ एक संविदाकारीपक्ष को नामित एयरलाइन (एयरलाइनों) द्वारा पूरा किया जाना अपेक्षित नहीं है।
3. पूर्ववर्ती उपबंधों के बावजूद, प्रत्येक संविदाकारीपक्षको निम्नलिखित कं संबंध में हस्तक्षेप करने का अधिकार होगा:
  - (क) ऐसे टैरिफ की रोकथाम, जिसके लागू होने से प्रतिस्पर्धा-रोधी व्यवहार उत्पन्न होता हो जिसका प्रभाव किसी प्रतिस्पर्धा के अधिकारों में कटौती अथवा किसी प्रतिस्पर्धा को किसी मार्ग से हटाए जाने के रूप में हो सकता हो,
  - (ख) उपभोक्ताओं की ऐसे मूल्यों से रक्षा जो किसी प्रभावशाली स्थिति के दुरुपयोग की वजह से अत्यधिक हों या प्रतिरोधक हों, तथा
  - (ग) एयरलाइनों की ऐसे मूल्यों से रक्षा जो नुकसानदायक हों अथवा कृत्रिम रूप से कम हों।
4. इस अनुच्छेद के पैरा (3) में दिए गए उद्देश्यों के लिए प्रत्येक संविदाकारीपक्ष की नामित एयरलाइनें, अनुरोध किए जाने पर, दूसरे संविदाकारीपक्ष के वैमानिकी प्राधिकारियों को ऐसे वैमानिकी प्राधिकारियों द्वारा विनिर्दिष्ट तरीके से टैरिफ की स्थापना से संबंधित सूचना उपलब्ध कराएंगी।
5. यदि एक संविदाकारीपक्ष यह मानता है कि इस अनुच्छेद के पैरा (3) में निर्धारित किए गए उद्देश्यों के अनुसार दूसरे संविदाकारीपक्ष की नामित एयरलाइन द्वारा वसूल किए जाने वाले प्रस्तावित टैरिफ सही प्रतीत होते हैं तो यह विचार विमर्श का अनुरोध कर सकता है। और जितनी जल्दी हो सके अपनी असहमति के कारणों को दूसरे संविदाकारीपक्ष को अधिसूचित कर सकता है। इस प्रकार के विचार विमर्श अनुरोध के प्राप्त होने से 30 दिनों बाद नहीं किए सकेंगे। यदि संविदाकारीपक्ष टैरिफ के संबंध में किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं जिसके लिए असंतुष्ट होने का नोटिस दिया जा चुका है तो प्रत्येक संविदाकारीपक्ष करार को प्रभावी बनाने के लिए बेहतर प्रयास करेगा। इस प्रकार के परस्पर करार के बिना पिछले वर्तमान टैरिफ आगे भी लागू होंगे।

## अनुच्छेद 18

### बहुपक्षीय करार

1. इस करार के कार्यान्वयन में, संविदाकारी पक्ष वहां तक अभिसमय के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करेंगे जहां तक ये प्रावधान अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं पर लागू होते हैं।
2. यदि, इस करार के लागू होने के बाद, दोनों संविदाकारी पक्ष किसी बहुपक्षीय करार के पक्षकार हो जाते हैं जिसमें इस करार में निहित मामलों पर चर्चा की गई हो, तो कोई भी संविदाकारी पक्ष, यह निर्धारित करने के लिए, कि क्या बहुपक्षीय करार को ध्यान रखते हुए इस करार को संशोधित किया जाना चाहिए, परामर्श के लिए अनुरोध कर सकता है।

## अनुच्छेद 19

### परामर्श

1. कोई भी संविदाकारी पक्ष, किसी भी समय, इस करार की व्याख्या, प्रयोज्यता, कार्यान्वयन या संशोधन या इस करार के अनुपालन के संबंध में परामर्श के लिए लिखित रूप में अनुरोध कर सकता है।
2. यदि संविदाकारी पक्षों द्वारा अन्यथा सहमति न हो, तो ऐसे परामर्श, जो चर्चा या पत्राचार के जरिए हो सकते हैं, अन्य पक्ष द्वारा यह अनुरोध प्राप्त होने की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर आरंभ होंगे।
3. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष, सुविज्ञ, तर्कपूर्ण और आर्थिक निर्णयों को सुसाध्य बनाने के उद्देश्य से, ऐसे परामर्शों के दौरान संबंधित सूचना का आदान-प्रदान करेगा।

## अनुच्छेद 20

### संशोधन

1. इस करार को दोनों संविदाकारी पक्षों के लिखित करार द्वारा संशोधित किया जाएगा।
2. इस प्रकार सहमत कोई भी करार इस करार के अनुच्छेद 23 के प्रावधानों के अनुसार प्रभावी होगा।



3. पैरा (2) के बावजूद, संविदाकारी पक्ष इस करार के अनुबंध में होने वाले किसी भी संशोधन को तुरंत प्रभावी करने पर सहमत हो सकते हैं।

## अनुच्छेद 21

### विवादों का निपटान

1. यदि संविदाकारी पक्षों के बीच इस करार की व्याख्या या अनुप्रयोग के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो दोनों संविदाकारी पक्ष सबसे पहले परामर्श या वार्ता द्वारा विवाद के समाधान का प्रयास करेंगे।

2. यदि दोनों संविदाकारी पक्ष उक्त विवाद का समाधान पाने में विफल रहते हैं, तो इसका समाधान राजनयिक माध्यमों के जरिए किया जाएगा।

3. ऐसा कोई भी विवाद, जिसका समाधान वार्ताओं या राजनयिक माध्यमों द्वारा नहीं किया जा सकता, तीन माध्यमों के माध्यम से अधिकरण को प्रस्तुत किया जाएगा जिसका गठन निम्नलिखित तरीके से किया जाएगा:

क) मध्यस्थता के अनुरोध की प्राप्ति के बाद 30 दिन के भीतर, प्रत्येक संविदाकारी पक्ष एक मध्यस्थ की नियुक्ति करेगा। तीसरे देश के राष्ट्रिक, जो इस अधिकरण के अध्यक्ष का काम करेगा, की नियुक्ति दूसरे माध्यम से की जाएगी। 60 दिन के भीतर, दोनों माध्यमों के बीच सहमति द्वारा तीसरे माध्यम के रूप में की जाएगी।

ख) यदि ऊपर विनिर्दिष्ट समय सीमाओं के भीतर कोई नियुक्ति नहीं की गई हो, तो कोई भी संविदाकारी पक्ष 30 दिन के भीतर अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (इकाओ) के अध्यक्ष से आवश्यक मध्यस्थ या माध्यमों की नियुक्ति करने के लिए अनुरोध कर सकता है। यदि अध्यक्ष की राष्ट्रीयता दोनों में से एक संविदाकारी पक्ष की है, तो वरिष्ठता में इकाओ अगला सदस्य, जिसकी राष्ट्रीयता दोनों में से एक संविदाकारी पक्ष की न हो, से नियुक्ति का अनुरोध किया जा सकता है।

4. इस अनुच्छेद में यहां इसके बाद किए गए प्रावधान अथवा संविदाकारी पक्षों द्वारा अन्यथा सहमति होने की स्थिति को छोड़कर, अधिकरण इस करार के अनुरूप अपने अधिकार क्षेत्र की सीमाएं निर्धारित करेगा और अपने प्रक्रियागत नियम स्थापित करेगा। अधिकरण के विवेकाधिकार पर अथवा किसी भी संविदाकारी पक्ष के अनुरोध पर, अधिकरण के पूरी तरह गठित हो जाने के बाद 15 दिनों के भीतर मध्यस्थता के निश्चित मुद्दों तथा अनुसरित की जाने वाली विनिर्दिष्ट प्रक्रियाओं को निर्धारित करने के लिए एक बैठक की जाएगी।

5. संविदाकारी पक्षों द्वारा अन्यथा सहमति या अधिकरण द्वारा किए गए निर्धारण को छोड़कर, प्रत्येक संविदाकारी पक्ष अधिकरण के पूरी तरह गठित हो जाने के 45 दिन के भीतर एक ज्ञापन प्रस्तुत करेगा।

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष अन्य संविदाकारी पक्ष के ज्ञापन की प्रस्तुति के 60 दिन के भीतर उत्तर प्रस्तुत कर सकता है। अधिकरण किसी भी संविदाकारी पक्ष के अनुरोध पर, या अपने विवेकाधिकार पर, उत्तर के देय होने 15 दिन के भीतर सुनवाई आयोजित करेगा।

6. अधिकरण सुनवाई के पूरा होने के 30 दिन के भीतर, अथवा यदि कोई सुनवाई हुई हो, तो दोनों पक्ष के उत्तर प्रस्तुत किए जाने के बाद, दोनों उत्तरों के प्रस्तुत होने की तारीख के बाद 30 दिन पूरे होने के बाद एक लिखित निर्णय देगा। अधिकरण का निर्णय बहुमत द्वारा किया जाएगा।

7. संविदाकारी पक्ष निर्णय के प्राप्त होने के 15 दिन के भीतर निर्णय के स्पष्टीकरण के लिए अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं और ऐसा स्पष्टीकरण ऐसे अनुरोध के 15 दिन के भीतर जारी किया जाएगा।

8. अधिकरण का निर्णय या अधिनिर्णय संविदाकारी पक्षों पर बाध्यकारी होगा।

9. प्रत्येक संविदाकारी पक्ष अपने द्वारा नियुक्त माध्यस्थ की लागत वहन करेगा। अधिकरण की अन्य लागतों की हिस्सेदारी संविदाकारी पक्षों द्वारा समान रूप से की जाएगी जिनमें इस अनुच्छेद के पैरा (4)(ख) में निहित प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन के क्रम में अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या सदस्य द्वारा किए गए कोई भी व्यय शामिल होंगे।

10. संविदाकारी पक्ष, माध्यस्थ में विवाद के लंबित रहते, और माध्यस्थ अधिकरण द्वारा अपना अधिनिर्णय प्रकाशित किए जाने तक, निरसन की स्थिति को छोड़कर, उक्त अधिनिर्णय के अनुसार अंतिम न्याय-निर्णयन के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह के, इस करार के अधीन अपने सभी दायित्वों का निष्पादन करते रहेंगे।

## अनुच्छेद 22

### अवसान

कोई भी संविदाकारी पक्ष, किसी भी समय, इस करार को समाप्त करने के अपने निर्णय के बारे में अन्य संविदाकारी पक्ष को लिखित रूप में सूचना दे सकता है। ऐसी सूचना साथ साथ अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन को भेजी जाएगी। यह करार अन्य संविदाकारी पक्ष द्वारा सूचना की प्राप्ति की तारीख की पहली वर्षगांठ से तुरंत पहले सूचना की प्राप्ति के स्थान पर मध्यरात्रि को समाप्त होगा, जब तक कि इस सूचना को इस अवधि की समाप्ति से पहले पक्षों की सहमति से वापस न ले लिया जाए। अन्य संविदाकारी पक्ष द्वारा प्राप्ति की स्वीकृति न होने की स्थिति में, इस सूचना को अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन द्वारा सूचना की प्राप्ति के चौदह दिनों बाद प्राप्त हुआ माना जाएगा।

### अनुच्छेद 23

#### इकाओ में पंजीकरण

यह करार और इसके सभी संशोधन, अनुबंध के संशोधनों को छोड़ कर, हस्ताक्षरित होने पर, अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन में पंजीकृत किए जाएंगे।

### अनुच्छेद 24

#### प्रभावी होना

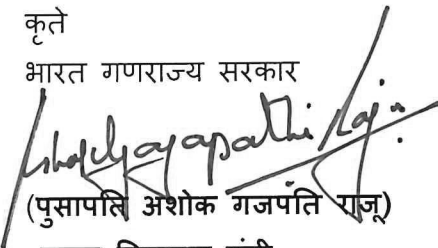
यह करार दोनों संविदाकारीपक्षों के बीच यह पुष्टि करने वाले अनुवर्ती राजनयिक नोट - कि प्रत्येक पक्ष ने इस करार और इसके अनुबंध को लागू करनेके लिए आवश्यक आंतरिक क्रियाविधियों को पूरा कर लिया है - के आदान प्रदान की तारीख से लागू होगा।

इसके साक्ष्य में, अधोहस्ताक्षरियों ने, अपनी अपनी सरकारों द्वारा विधिवत प्राधिकृत होने के नाते, इस करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

दिनांक 16 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली में दो प्रतियों में, अंग्रेजी, पुर्तगाली एवं हिन्दी भाषा में निष्पादित किया गया, जो प्रामाणिक पाठ होगा। व्याख्या में असहमति होने की स्थिति में, अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

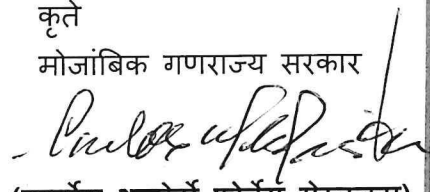
कृते

भारत गणराज्य सरकार

  
(पुसापति अशोक गजपति राजू)  
नागर विमानन मंत्री

कृते

मोजांबिक गणराज्य सरकार

  
(कार्लोस अल्बर्टो फोर्तेस मेस्कूइटा)  
परिवहन एवं संचार मंत्री